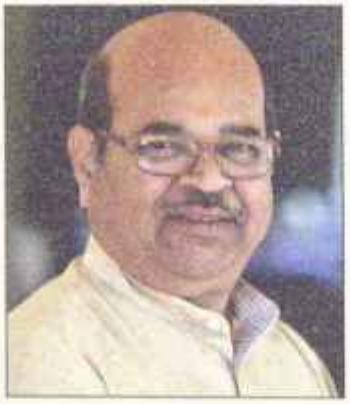

रवींद्र यावगल

अकादेमी पुरस्कारः
हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (तबला)

RAVINDRA YAVAGAL

Akademi Award:
Hindustani Instrumental Music (Tabla)

कर्नाटक के हुबली में 27 नवंबर 1959 को जन्मे, श्री रवींद्र यावगल ने अपने पिता वीरन्ना कमकर के मार्गदर्शन में हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत–तबला का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और बाद में गुरु शेषगिरी हंगल के संरक्षण में अपनी तबला वादन कला को निखारा। आपको लालजी गोखले का मार्गदर्शन भी मिला है। आपका सम्बंध दिल्ली, फर्रुखाबाद और पूरब अंग घरानों से है।

आप आकाशवाणी के 'उच्च' श्रेणी के कलाकार हैं। आपने आकाशवाणी, बेंगलुरु (1982–2019) के साथ स्टाफ आर्टिस्ट के रूप में काम किया है और बतौर सदस्य कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी, कर्नाटक सरकार (2002–2004) के साथ भी जुड़े रहे हैं। सूचना और जनसंपर्क विभाग, कर्नाटक सरकार ने श्री रवींद्र यावगल पर एक वृत्तचित्र का निर्माण किया है। आपने कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में एकल प्रस्तुतियाँ दी हैं और देश–विदेश में हिन्दुस्तानी संगीत के दिग्गज कलाकारों के साथ संगत भी किया है। आपने ताल वाद्य पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है।

हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदान किए गए राज्योत्सव पुरस्कार (1995) सहित कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें आर्यभट्ट सांस्कृतिक संगठन, बेंगलुरु द्वारा दिया गया आर्यभट्ट अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2011)य कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी द्वारा दिया गया कर्नाटक कलाश्री गौरव पुरस्कार (2016)य और हुबली–धारवाड़ नगर निगम, कर्नाटक द्वारा दिया गया धीमंथा सम्मान (2022) प्रमुख हैं।

श्री रवींद्र यावगल को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (तबला) में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 27 November 1959 at Hubballi (Hubli) in Karnataka, Shri Ravindra Yavagal received his initial training in Hindustani instrumental music – tabla from his father Veeranna Kamkar and later groomed his passion under the tutelage of Sheshagiri Hangal. He has also received guidance from Lalji Gokhale. He belongs to the Delhi, Farukkhabad and Purab Ang gharanas.

A 'Top' grade artist of All India Radio, Shri Ravindra Yavagal has been associated with many prestigious cultural institutions such as All India Radio, Bengaluru (1982-2019) as Staff Artist, and with the Karnataka Sangeeta Nritya Academy, Government of Karnataka (2002-2004) as Member. Department of Information & Public Relations, Government of Karnataka made a documentary on Shri Ravindra Yavagal. He has performed in many prestigious music festivals as soloist and has accompanied stalwarts of Hindustani music in India and abroad. He has also conducted many seminars and workshops on percussion.

For his contribution in the field of Hindustani instrumental music, he has been honoured with many prestigious titles and awards including the Rajyotsava Award conferred by the Government of Karnataka (1995); the Aryabhata International Award given by Aryabhata Cultural Organization, Bengaluru (2011); the Karnataka Kalashri Gaurava Puraskara conferred by the Karnataka Sangeeta Nritya Academy (2016); and the Dheemantha Samman from Hubballi-Dharwad City Corporation, Karnataka in 2022.

Shri Ravindra Yavagal receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for his contribution to Hindustani instrumental music.